

अभ्यर्थियों को सीएम ने सौंपा नियुक्ति पत्र, कहा- आप सरकार के अभिन्न अंग रास्ता चौधरी व अन्नु रानी ने दिलाया दो और गोल्ड

- जनहित को प्राप्तिकरण देने का नियुक्ति पदाधिकारी
- रोजगार देने का सिलसिला अभी रहेगा जारी

खबर मन्त्र व्यापे

गंची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि पिछले देह वर्षों से लगातार विभिन्न विभागों में बड़ी संख्या का गयी रूप से घायल कर दिया। अस्पताल पहुंचने से पहले लड़की की मौत हो गयी जबकि उसके दोनों भाइयों की हालत नाजुक बनी हुई है।

आज पलामू जायेंगे

सीएम, कई कार्यक्रम

रांची। सीएम हेमंत सोरेन बुधवार को पालामू दोनों पर रहेंगे। उनके साथ प्रदेश के कई मंत्री भी मौजूद रहेंगे।

इस दौरान वे मेदिनीनगर सदर प्रखंड

के विधायिकी के गणक में शिल्प

प्रोसेसिंग प्लाट का उद्घाटन करेंगे।

सीएम के कार्यक्रम को लेकर वह

तैयारियां तेज़ की गयी हैं।

152 बीड़ीओं बदले

रांची। राज्य सरकार ने एक साथ 152 बीड़ीओं का तबादला किया है। इस सर्वेष में मंगलवार शाम अधिसूचना जारी कर दी है। शेष बालों बीड़ियों की नवी प्रवर्ड कियाका विकास पदाधिकारी बनायी गयी है।

सीएम के कार्यक्रम को लेकर वह

तैयारियां तेज़ की गयी हैं।

सीएम के कार्यक्रम को लेकर वह

तैयारियां तेज़ की गयी हैं।

सीएम के कार्यक्रम को लेकर वह

तैयारियां तेज़ की गयी हैं।

सीएम के कार्यक्रम को लेकर वह

तैयारियां तेज़ की गयी हैं।

सीएम के कार्यक्रम को लेकर वह

तैयारियां तेज़ की गयी हैं।

सीएम के कार्यक्रम को लेकर वह

तैयारियां तेज़ की गयी हैं।

सीएम के कार्यक्रम को लेकर वह

तैयारियां तेज़ की गयी हैं।

सीएम के कार्यक्रम को लेकर वह

तैयारियां तेज़ की गयी हैं।

सीएम के कार्यक्रम को लेकर वह

तैयारियां तेज़ की गयी हैं।

सीएम के कार्यक्रम को लेकर वह

तैयारियां तेज़ की गयी हैं।

सीएम के कार्यक्रम को लेकर वह

तैयारियां तेज़ की गयी हैं।

सीएम के कार्यक्रम को लेकर वह

तैयारियां तेज़ की गयी हैं।

सीएम के कार्यक्रम को लेकर वह

तैयारियां तेज़ की गयी हैं।

सीएम के कार्यक्रम को लेकर वह

तैयारियां तेज़ की गयी हैं।

सीएम के कार्यक्रम को लेकर वह

तैयारियां तेज़ की गयी हैं।

सीएम के कार्यक्रम को लेकर वह

तैयारियां तेज़ की गयी हैं।

सीएम के कार्यक्रम को लेकर वह

तैयारियां तेज़ की गयी हैं।

सीएम के कार्यक्रम को लेकर वह

तैयारियां तेज़ की गयी हैं।

सीएम के कार्यक्रम को लेकर वह

तैयारियां तेज़ की गयी हैं।

सीएम के कार्यक्रम को लेकर वह

तैयारियां तेज़ की गयी हैं।

सीएम के कार्यक्रम को लेकर वह

तैयारियां तेज़ की गयी हैं।

सीएम के कार्यक्रम को लेकर वह

तैयारियां तेज़ की गयी हैं।

सीएम के कार्यक्रम को लेकर वह

तैयारियां तेज़ की गयी हैं।

सीएम के कार्यक्रम को लेकर वह

तैयारियां तेज़ की गयी हैं।

सीएम के कार्यक्रम को लेकर वह

तैयारियां तेज़ की गयी हैं।

सीएम के कार्यक्रम को लेकर वह

तैयारियां तेज़ की गयी हैं।

सीएम के कार्यक्रम को लेकर वह

तैयारियां तेज़ की गयी हैं।

सीएम के कार्यक्रम को लेकर वह

तैयारियां तेज़ की गयी हैं।

सीएम के कार्यक्रम को लेकर वह

तैयारियां तेज़ की गयी हैं।

सीएम के कार्यक्रम को लेकर वह

तैयारियां तेज़ की गयी हैं।

सीएम के कार्यक्रम को लेकर वह

तैयारियां तेज़ की गयी हैं।

सीएम के कार्यक्रम को लेकर वह

तैयारियां तेज़ की गयी हैं।

सीएम के कार्यक्रम को लेकर वह

तैयारियां तेज़ की गयी हैं।

सीएम के कार्यक्रम को लेकर वह

तैयारियां तेज़ की गयी हैं।

सीएम के कार्यक्रम को लेकर वह

तैयारियां तेज़ की गयी हैं।

सीएम के कार्यक्रम को लेकर वह

तैयारियां तेज़ की गयी हैं।

सीएम के कार्यक्रम को लेकर वह

तैयारियां तेज़ की गयी हैं।

सीएम के कार्यक्रम को लेकर वह

तैयारियां तेज़ की गयी हैं।

सीएम के कार्यक्रम को लेकर वह

तैयारियां तेज़ की गयी हैं।

सीएम के कार्यक्रम को लेकर वह

तैयारियां तेज़ की गयी हैं।

सीएम के कार्यक्रम को लेकर वह

तैयारियां तेज़ की गयी हैं।

सीएम के कार्यक्रम को लेकर वह

तैयारियां तेज़ की गयी हैं।

सीएम के कार्यक्रम को लेकर वह

तैयारियां तेज़ की गयी हैं।

सीएम के कार्यक्रम को लेकर वह

तैयारियां तेज़ की गयी हैं।

सीएम के कार्यक्रम को लेकर वह

तैयारियां तेज़ की गयी हैं।

सीएम के कार्यक्रम को लेकर वह

तैयारियां तेज़ की गयी हैं।

सीएम के कार्यक्रम को लेकर वह

तैयारियां तेज़ की गयी हैं।

सीएम के कार्यक्रम को लेकर वह

तैयारियां तेज़ की गयी हैं।

झारखंड राज्य पोषण मिशन अंतर्गत राज्य अनुश्रवण एवं क्रियान्वयन समिति की हुई बैठक

बच्चों को कुपोषण मुक्त बनाने की दिशा में सरकार और विभाग सजग : सचिव

समर अभियान के अंतर्गत कुपोषण से ग्रसित बच्चों का समुदाय स्तर पर किया जा रहा है उपचार

खबर मन्त्र व्यूट्रो



रांची। महिला, बाल विकास एवं महिला सुख सचिव कृष्णनंद ज्ञाने कहा कि बच्चों को कुपोषण से बचाना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। बच्चों को कुपोषण से बचाने के लिए विभाग पूरी तरह सजग और प्रतिबद्धता से कार्य कर रहा है। राज्य को हर हाल में कुपोषण सुकृत करने की दिशा में कार्य करना है। वे मंगलवार को प्रतिबद्धता के साथ लाग करने, राज्य में कुपोषण बच्चों और एवं मायिया समाजिक सुरक्षा विभाग की प्रोजेक्ट भवन परिसर सभागार में राज्य अनुश्रवण एवं क्रियान्वयन इनका मैटिकल चेकअप कर कर डाटा तैयार करने का निर्देश दिया।

खबर एक नजर में
गांधी और कवामेन्क्रुमा के विचारों को जी रहे भारत और धाना : रवींद्र नाथ महतो



रांची। स्पीकर रवींद्रनाथ महतो धाना के अकरा के 6 दिवसीय दौर पर हैं। वे 66वें राष्ट्रमंडल संसदीय संघ की बैठक में हिस्सा लेने पहुंचे हैं। उन्होंने धाना के कार्यों अनन्त सूचना प्रौद्योगिकी केंद्र में स्थित महानांग गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि भारत और धान दोनों ही विश्व में लोकतंत्र के ध्वजावाहक हैं। जहां एक और भारत महानांग गांधी के विचारों की अलख पूरी दुनिया में जला रहा है वही, दूसरी ओर व्यापार न्युन्हमा द्वारा आंशिक लोकतंत्र का धान मजबूती से आगे बढ़ा रहा है। उन्होंने कहा कि विश्व में शांति और भाईचारे को बढ़ाना मैं सुनेहरा राष्ट्र के पूर्व महानांगिवर कोकी अनन्ताना का महत्वपूर्ण योगान रहा है। राष्ट्रमंडल संसदीय संघ विश्व का सबसे पुराना एवं सबसे बड़ा संसदीय राष्ट्रों का गढ़वान है।

कोयला कामगारों को जबलपुर हाइकोर्ट से नहीं मिली राहत, अगली सुनवाई 5 अक्टूबर को



रांची। कोयला कामगारों को जबलपुर हाईकोर्ट से 3 अक्टूबर को राहत नहीं मिली। कोर्ट ने इस मामले में सुनवाई के लिए 5 अक्टूबर तय की है। जनकारी हो कि कोल इंडिया के अधिकारियों ने कामगारों के वेतन समझौते को दुनौरी दी थी। इसके बाद लगानी की मांग की थी। कहा था कि इसमें डीपीई की मजूरी नहीं थी गई है। वीट 29 अगस्त, 2023 को अंतिम सुनवाई के बाद जबलपुर हाईकोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख दिया था। यूनियन की ओर से इसमें एवंमारेस के नायातूल पाडेय ने दलील दी थी। मात्रम हो कि जबलपुर हाईकोर्ट ने फैसला सुनाते हुए 11वें वेतन समझौते के 22 जून, 2023 के काल मंत्रालय द्वारा जारी अप्रूवल ऑर्डर को रद्द कर दिया था। इस मामले पर निर्णय लेने के लिए डीपीई के पास भजने का आदेश दिया है। उसके 60 दिनों में निर्णय लेने का निर्देश दिया है। कोल इंडिया प्रबंधन की ओर से भी वेतन समझौते के पक्ष में पैरावी की जा रही है।

पंकज मिश्रा ने दाखिल की जमानत याचिका

रांची। अवैध खनन से प्राप्त 1000 करोड़ रुपए से अधिक कमाई का मनी लाउंडिंग करने के आरोप में जेल में बंद पंकज मिश्रा ने जमानत की गुहार लगायी है। दाखिल जमानत अर्जी पर मंगलवार की ईडी की विशेष अदालत में सुनवाई के लिए 13 अक्टूबर की तारीख परिवर्तित की गई है। ईडी कोर्ट ने इससे पूर्व मैं दाखिल की गई जमानत अर्जी सुनवाई के बाद 26 नवंबर 2022 को खारिज कर चुकी है। यहां तक जमानत के लिए हाईकोर्ट से लेकर सुप्रीम प्रत तक गये, लेकिन, कहीं से रहत नहीं मिली। मालूम हो कि पंकज मिश्रा को ईडी ने आरोप में 19 जुलाई 2022 को गिरफतार किया था। तब से वह जेल में ही है।

मनी लांड्रिंग : मुकेश मितल की अर्जी खारिज

रांची। ईडी के विशेष न्यायाधीश प्रभात कुमार शमा की अदालत ने मंगलवार को मनी लाउंडिंग के आरोप में जेल में बंद पंकज मिश्रा ने जमानत की गुहार लगायी है। दाखिल जमानत अर्जी पर मंगलवार की ईडी की विशेष अदालत में सुनवाई के लिए सूचीबद्ध थी लेकिन अब अर्जी पर सुनवाई के लिए 13 अक्टूबर, 2023 की तारीख परिवर्तित की गई है।

रांची। मनी लांड्रिंग के बाद 26 नवंबर 2022 को खारिज कर चुकी है। यहां तक जमानत के लिए हाईकोर्ट से लेकर सुप्रीम प्रत तक गये, लेकिन, कहीं से रहत नहीं मिली। मालूम हो कि पंकज मिश्रा को ईडी ने आरोप में 19 जुलाई 2022 को गिरफतार किया था। तब से वह जेल में ही है।

रांची। मनी लांड्रिंग के बाद 26 नवंबर 2022 को खारिज कर चुकी है। यहां तक जमानत के लिए हाईकोर्ट से लेकर सुप्रीम प्रत तक गये, लेकिन, कहीं से रहत नहीं मिली। मालूम हो कि पंकज मिश्रा को ईडी ने आरोप में 19 जुलाई 2022 को गिरफतार किया था। तब से वह जेल में ही है।

रांची। मनी लांड्रिंग के बाद 26 नवंबर 2022 को खारिज कर चुकी है। यहां तक जमानत के लिए हाईकोर्ट से लेकर सुप्रीम प्रत तक गये, लेकिन, कहीं से रहत नहीं मिली। मालूम हो कि पंकज मिश्रा को ईडी ने आरोप में 19 जुलाई 2022 को गिरफतार किया था। तब से वह जेल में ही है।

रांची। मनी लांड्रिंग के बाद 26 नवंबर 2022 को खारिज कर चुकी है। यहां तक जमानत के लिए हाईकोर्ट से लेकर सुप्रीम प्रत तक गये, लेकिन, कहीं से रहत नहीं मिली। मालूम हो कि पंकज मिश्रा को ईडी ने आरोप में 19 जुलाई 2022 को गिरफतार किया था। तब से वह जेल में ही है।

रांची। मनी लांड्रिंग के बाद 26 नवंबर 2022 को खारिज कर चुकी है। यहां तक जमानत के लिए हाईकोर्ट से लेकर सुप्रीम प्रत तक गये, लेकिन, कहीं से रहत नहीं मिली। मालूम हो कि पंकज मिश्रा को ईडी ने आरोप में 19 जुलाई 2022 को गिरफतार किया था। तब से वह जेल में ही है।

रांची। मनी लांड्रिंग के बाद 26 नवंबर 2022 को खारिज कर चुकी है। यहां तक जमानत के लिए हाईकोर्ट से लेकर सुप्रीम प्रत तक गये, लेकिन, कहीं से रहत नहीं मिली। मालूम हो कि पंकज मिश्रा को ईडी ने आरोप में 19 जुलाई 2022 को गिरफतार किया था। तब से वह जेल में ही है।

रांची। मनी लांड्रिंग के बाद 26 नवंबर 2022 को खारिज कर चुकी है। यहां तक जमानत के लिए हाईकोर्ट से लेकर सुप्रीम प्रत तक गये, लेकिन, कहीं से रहत नहीं मिली। मालूम हो कि पंकज मिश्रा को ईडी ने आरोप में 19 जुलाई 2022 को गिरफतार किया था। तब से वह जेल में ही है।

रांची। मनी लांड्रिंग के बाद 26 नवंबर 2022 को खारिज कर चुकी है। यहां तक जमानत के लिए हाईकोर्ट से लेकर सुप्रीम प्रत तक गये, लेकिन, कहीं से रहत नहीं मिली। मालूम हो कि पंकज मिश्रा को ईडी ने आरोप में 19 जुलाई 2022 को गिरफतार किया था। तब से वह जेल में ही है।

रांची। मनी लांड्रिंग के बाद 26 नवंबर 2022 को खारिज कर चुकी है। यहां तक जमानत के लिए हाईकोर्ट से लेकर सुप्रीम प्रत तक गये, लेकिन, कहीं से रहत नहीं मिली। मालूम हो कि पंकज मिश्रा को ईडी ने आरोप में 19 जुलाई 2022 को गिरफतार किया था। तब से वह जेल में ही है।

रांची। मनी लांड्रिंग के बाद 26 नवंबर 2022 को खारिज कर चुकी है। यहां तक जमानत के लिए हाईकोर्ट से लेकर सुप्रीम प्रत तक गये, लेकिन, कहीं से रहत नहीं मिली। मालूम हो कि पंकज मिश्रा को ईडी ने आरोप में 19 जुलाई 2022 को गिरफतार किया था। तब से वह जेल में ही है।

रांची। मनी लांड्रिंग के बाद 26 नवंबर 2022 को खारिज कर चुकी है। यहां तक जमानत के लिए हाईकोर्ट से लेकर सुप्रीम प्रत तक गये, लेकिन, कहीं से रहत नहीं मिली। मालूम हो कि पंकज मिश्रा को ईडी ने आरोप में 19 जुलाई 2022 को गिरफतार किया था। तब से वह जेल में ही है।

रांची। मनी लांड्रिंग के बाद 26 नवंबर 2022 को खारिज कर चुकी है। यहां तक जमानत के लिए हाईकोर्ट से लेकर सुप्रीम प्रत तक गये, लेकिन, कहीं से रहत नहीं मिली। मालूम हो कि पंकज मिश्रा को ईडी ने आरोप में 19 जुलाई 2022 को गिरफतार किया था। तब से वह जेल में ही है।

रांची। मनी लांड्रिंग के बाद 26 नवंबर 2022 को खारिज कर चुकी है। यहां तक जमानत के लिए हाईकोर्ट से लेकर सुप्रीम प्रत तक गये, लेकिन, कहीं से रहत नहीं मिली। मालूम हो कि पंकज मिश्रा को ईडी ने आरोप में 19 जुलाई 2022 को गिरफतार किया था। तब से वह जेल में ही है।

रांची। मनी लांड्रिंग के बाद 26 नवंबर 2022 को खारिज कर चुकी है। यहां तक जमानत के लिए हाईकोर्ट से लेकर सुप्रीम प्रत तक गये, लेकिन, कहीं से रहत नहीं मिली। मालूम हो कि पंकज मिश्रा को ईडी ने आरोप में 19 जुलाई 2022 को गिरफतार किया था। तब से वह जेल में ही है।

रांची। मनी लांड्रिंग के बाद 26 नवंबर 2022 को खारिज कर चुकी है। यहां तक जमानत के लिए हाईकोर्ट से लेकर सुप्रीम प्रत तक गये, लेकिन, कहीं से रहत नहीं मिली। मालूम हो कि पंकज मिश्रा को ईडी ने आरोप में 19 जुलाई 2022 को गिरफतार किया था। तब से वह जेल में ही है।

रांची। मनी लांड्रिंग के बाद 26 नवंबर 2022 को खारिज कर चुकी है



चांडिल : जन चेतना समिति के रक्तदान शिविर में 63 यूनिट रक्त संग्रह



चांडिल। गांधी जयंती के अवसर पर तामोदिया के आशा वैली में जन चेतना समिति के द्वारा हाँ वर्ष की भाँति इस वर्ष भी रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि सरायकेला के जिला प्रशासक राज पदाधिकारी सह डीडीओ शक्तरावर्ष सम्पद में दीप प्रज्ञलित कर किया। जन चेतना समिति के त्रियोजक अंजय कुमार ने कहा एनी सामाजिक दायित्व का निर्नान करते हुए जन चेतना समिति के द्वारा दीप के समय गांधी की ओर कंबल बैठक का भी आयोजन किया जाता है। इस रक्तदान शिविर में इक्स 63 यूनिट रक्त संग्रह किया गया। इस मौके पर सरकारी अंजय कुमार, सचिव संतोष श्रीवास्तव, नवान सिंह, कपाणी गोपी प्रधारी संदीप शौलन, सुरील सरकार, संतोष शर्मा, पिंकी महोनी सहित कई लोग उपस्थित थे।

अनिंदिता ने बेटी की जन्मदिन पर दी 10 हजार रुपये की आर्थिक मदद



जमशेदपुर। टाटा स्टील में कार्यकारी अंजिनियर तथा जमशेदपुर और कालकाता के प्रख्यात संगठन टाटाकांगा अनिंदिता वर्षावर्षी ने अपनी एकमात्र बेटी मीहन वर्षावर्षी के तुरीय जन्म दिवस पर अदार्दा सेवा संस्था जिसमें पालना रक्त रक्त के वच्चों के लिए 10,000/- अनुदान दिए। जन्मदिन एक दूसरे के घर काम करते उनके बच्चों की अदार्दा सेवा संस्था में बलने वाले पालना घर में यूनिट रक्ख कर काम में वर्ती जाती और शाम को लोट ने के समय ले जाती। संगठन एकी पूरी धोंगी को 10,000/- अनिंदिता वर्षावर्षी ने भेजी और अदार्दा सेवा में डाने देने वाली। एक दूसरे के घर काम करते उनके बच्चों की अदार्दा सेवा संस्था में बलने वाले पालना घर में यूनिट रक्ख कर काम में वर्ती जाती और अदार्दा सेवा में डाने देने वाली। इसके पहले भी अनिंदिता ने दूर सारे कपड़े बच्चों को दान दे रुकी है।

सोनारी बिरसा बस्ती में बना आयुष्मान व ग्रीन कार्ड



जमशेदपुर। शहर की सामाजिक संस्था सारी द्वारा आयुष्मान कार्ड और ग्रीन कार्ड बनाने के लिए सोनारी बस्ती में एक शिविर आयोजित किया गया। जिसमें 175 लोगों का आयुष्मान कार्ड और ग्रीन कार्ड बनाने के लिए रजिस्ट्रेशन दिया गया। कार्पोरेट का सुखु उद्यम बस्ती की वासियों को जागरूक और उन्हें इन कार्डों को बनाने में सहायता करना था। संस्था प्रमुख पूजा अंग्रेज के नेतृत्व में शिविर का आयोजन हुआ। इस संस्था बनाने में संस्था सदस्य विषय अंग्रेज, शुभु सिंह, सुशु दीपक, निखिल, मोनू, संगीता, आशीष, राजेश का योगदान रहा।

‘स्वच्छ चांडिल, स्वस्थ चांडिल’ मुहिम के तहत सुखराम ने डस्ट्रिबिन बांटे



चांडिल। राष्ट्रपिता महाना गांधी और लाल बहादुर शास्त्री के जयंती के अवसर पर स्वच्छ चांडिल स्वस्थ चांडिल मुहिम के तहत हालत रुख प्रेस के सांचालक सह झामुनी राजीन सुखराम डस्ट्रिबिन का वितरण किया गया। चांडिल बाजार में फैले गंगी की साफ-साफ्ट किया गया है। लोगों ने सुखराम को शांत और माला फौनाकर सम्मानित किया। सुखराम ने कहा चांडिल को खाली और अच्छी रखने के लिए सकलतर अभियान लगातार जारी रखें। इस प्रकार जनवरी में विषयन विवाद से बाहर निकल जाना चाहिए।

चांडिल : राष्ट्रपिता महाना गांधी और लाल बहादुर शास्त्री के जयंती के अवसर पर स्वच्छ चांडिल स्वस्थ चांडिल



महानगर अवस्था गुंजन यादव

जमशेदपुर एफसी का हैदराबाद एफसी से होम ग्राउंड पर रोमांचक मुकाबला कल

● जमशेदपुर एफसी की पूरी टीम ने जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कांप्लेक्स का किया दौरा

खबर मन्त्र व्यूरो

जमशेदपुर। जमशेदपुर एफसी की टीम ने 5 अक्टूबर को हैदराबाद एफसी के खिलाफ होने वाले पहले घरेलू मैच से पहले जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कांप्लेक्स का दौरा किया। वर्ष मैच जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कंप्लेक्स में शत्रु 8 बजे से खेला जायेगा। स्टॉर्ट कूपर और उनकी टीम ने



जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में जेएफसी के स्टार प्लेयर।



जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में जेएफसी के स्टार प्लेयर।



पटकारों से रुकून होते हैं कौय स्टॉर्ट कूपर के साथ साबसी दायरे टाटा स्टील से वीडीओ मुकुल रोमांचक मुकाबला के लिए जारी की गयी।

महाविष्वास एफसी के समान खेलने और स्टील सिटी के डिसेंसियों के समानित संपादकों और खेल तरह तैयार हैं। स्टॉर्ट कूपर के लिए मैच पिच का पता लगाते उत्सुक हैं। स्टॉर्ट कूपर को चांगवा चौधरी (उत्थायक-कॉर्पोरेट एफसी) और मूल चौधरी (संस्थाओं समाचार पत्र प्रकाशन एफसी) के साथ विभिन्न जमशेदपुर के समान खेलने के लिए उत्सुक हैं। वह एक कठिन मैच

माइनर्स के समान खेलने और स्टील सिटी को गैरवानित करने के लिए उत्सुक हैं। अपनी बातों के दौरान स्टॉर्ट ने हैदराबाद मन्त्र के एक सवाल पर कहा कि लिए यह एक उत्थायक आगमी मैच के लिए अपनी इच्छा जालार की ओर कहा, हम सभी फैसें में रेड माइनर्स के समान खेलने के लिए उत्सुक हैं। वह एक कठिन मैच

होने वाला है, लेकिन हमारे खिलाड़ी पूरी तरह तैयार हैं और प्रशंसकों को गैरवानित करने के लिए उत्सुक हैं। कूपरस ने खबर मन्त्र के एक सवाल पर कहा कि लिए यह एक समर्थन मिलेगा। उत्सुक होने के लिए यह एक उत्थायक आगमी घर-बाड़ी है, मैं जमशेदपुर के साथ एक इंटर्नेट का एक स्टील सिटी है, मैं जमशेदपुर के साथ एक संबंध में, मैं इस साथ एक स्टील सिटी हूं। इस संबंध में, मैं जमशेदपुर के साथ एक स्टील सिटी हूं।

महत्वपूर्ण लेमेकर बन गए हैं। एमिल बेनी और नायरेम, जो पहले भी अपनी संबंधित टीमों की अच्छा कर चुके हैं। उत्सुक होने के लिए असाधारण कीशल और क्षमता का प्रसाद किया गया है। वे निसर्देह हमारे प्रतिद्विद्वयों के लिए

महाविष्वास एफसी के समान खेलने के लिए उत्सुक हैं।

जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में जेएफसी के स्टार प्लेयर।

जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में जेएफसी के स्टार प्लेयर।

जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में जेएफसी के स्टार प्लेयर।

जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में जेएफसी के स्टार प्लेयर।

जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में जेएफसी के स्टार प्लेयर।

जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में जेएफसी के स्टार प्लेयर।

जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में जेएफसी के स्टार प्लेयर।

जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में जेएफसी के स्टार प्लेयर।

जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में जेएफसी के स्टार प्लेयर।

जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में जेएफसी के स्टार प्लेयर।

जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में जेएफसी के स्टार प्लेयर।

जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में जेएफसी के स्टार प्लेयर।

जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में जेएफसी के स्टार प्लेयर।

जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में जेएफसी के स्टार प्लेयर।

जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में जेएफसी के स्टार प्लेयर।

जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में जेएफसी के स्टार प्लेयर।

जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में जेएफसी के स्टार प्लेयर।

जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में जेएफसी के स्टार प्लेयर।

जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में जेएफसी के स्टार प्लेयर।

जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में जेएफसी के स्टार प्लेयर।

जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में जेएफसी के स्टार प्लेयर।

जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में जेएफसी के स्टार प्लेयर।

जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में जेएफसी के स्टार प्लेयर।

जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में जेएफसी के स्टार प्लेयर।

जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कांप्लेक्स में जेएफसी के स्टार प्लेयर।

जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कां

कला ऐसी कि पत्थरों से भी आवाज निकले



गहरी साजिश नाकाम

देश के विभिन्न हिस्सों में सीरियल बम ब्लास्ट की योजना का पर्दाकाश करते हुए टिल्ली पुलिस के विशेष शाखा ने दो संदिग्ध को गिरोहर किया है। इनमें हजारीबाग और दग्धाके निवारी भी शामिल हैं। इनमें शहनवाज अलाम उर्फ अब्दुल्लाह उर्फ प्रिंस हजारीबाग का जबकि रियावन अशरफ लखनऊ का रहने वाला है। अनेकाले पर्व त्योहार के दिनों में इनकी बम ब्लास्ट करने की योजना थी। सबसे खतरनाक योजना अगोवा के राम मंदिर को उड़ाने की थी। निश्चित तौर पर ये खतरनाक योजना देश के बाहरी आंतकी संगठनों के द्वारा तैयार की जा रही है। पाकिस्तान विगत कई दशक के भारत के विकास को पचा नहीं पा रहा है। वर्तमान समय में जब देश में लगातार शांति का माहौल है और सीरियल बम ब्लास्ट जो विगत दशक में हुआ करते थे वे बंद हैं तब आंतक के आकांक्षों को पेशनी हो रही है। देश में आंतकी मॉड्यूल का सक्रिय होना निश्चित तौर पर सभी राज्यों के लिये एक संदेश है कि वे अपने गोपनीय शाखा और पुलिस प्रशासन को बढ़ाव दें। देश में अनेकाले समय में लोक सभा चुनाव के साथ ही तीन बड़े राज्यों में विधानसभा के चुनाव हैं। एक दौरे था जब देश के सभी बड़े महानगरों में सीरियल बम ब्लास्ट हुए थे जिससे आंतक का बातावरण बना था। देश विशेष लोगों का कोई जाति, धर्म नहीं होता उन पर नजर रखने की जरूरत है।

एक गंभीर खतरा

रवास्थ के समक्ष गंभीर खतरा पैदा होने पर बचाव के लिए लोग प्राप्त प्रतिजैविक (एंटीबायोटिक) लेते हैं। मगर अब ऐसी दवाएं हमें बाहर करने वाले रोगाण्यों को मारने में नियमावासी सकित हो रही हैं। यह स्थिति एंटीबायोटिक के आवश्यकता से अधिक एवं गैर-जस्ती इस्तेमाल के कारण उत्पन्न हुई है। अब रोगाण्य एंटीबायोटिक के खिलाफ प्रतिरोध क्षमता विकसित कर रहते हैं। एस्मआर अब लोगों की जान के लिए खतरा बन गया है। अनुमानों के अनुसार एंटीबायोटिक के बेअसर रहने से 2019 में लगभग 50 लाख लोगों की जान चली गई। नए एंटीबायोटिक भी कम हो गए हैं या एक तरह से आने बंद हो गए हैं। इन दवाओं के प्रोश्न, इनके बावजूद जो कारोबार से जुड़ी कंपनियां अब धीरे धीरे कर्नी काट रही हैं। जब स्थिति लगातार बनी रही तो इसका अर्थ यह होगा कि अनेकाले समय में हम तीन तरफ मुश्किलों में घिर जाएंगे। पहली मुश्किल तो यह खड़ी होगी कि जिन एंटीबायोटिक के हम इस समय इस्तेमाल कर रहे हैं वे निष्प्रभावी हो जाएंगे, दूसरी मुश्किल यह होगी कि नए एंटीबायोटिक उपलब्ध नहीं रहेंगे और तीसरी मुश्किल यह कि सभी लोगों के लिए इन दवाओं तक पहुंच सुनिश्चित करने की आवश्यकता अत्यंत बढ़ जाएगी।

1940 के दशक में दूसरे विश्व युद्ध के बाद पेनिसिलिन का बड़े पैमाने पर उत्पादन शुरू हुआ था। पेनिसिलिन पहली एंटीबायोटिक दवा का रूप ले गया था। उसके बाद से इन दवाओं पर दुनिया की निरर्ता काफी बढ़ गई। बाद के दशकों में और कई खड़ी हुई वह हमरे स्वास्थ्य के लिए विश्व एवं आपात आपात रिस्ति होगी और संभवतः दुनिया ने अब तक जितनी मुश्किलें देखी हैं उनमें सर्वाधिक गंभीर होगी।

वन गमन की आज्ञा

विचार-प्रवाह

स्वामी सत्यानन्दजी परमहंस

श्री राम के वन गमन को लेकर अमसोच वर्ता है कि पिता की आज्ञा से वन गये। लेकिन राम के मोहन से आहत महाराज दशरथ इस स्थिति में हरी थे कि कोई आज्ञा दे सके। प्रजा के समाने तो आज्ञा गुरु विश्वाश से ही ली और वही सीधे है। श्री राम अपने जीवन काल में दो बार ही अद्योग्या से बाहर निकले भेजा है वे वरदान दिये थे उसी वरदान के तहत भेजा है। एक और मर्यादा की भी रक्षा करना चाहते हैं। दुनिया नहीं समझती कि दशरथ जी इनको करनी भेजे हैं। ये करते हैं कि वे पिता की आज्ञा से वन में गये हैं। जब हनुमान जी से परिचय हुआ था तब श्रीराम ने कहा था कि हम पितृ बचन मान वन आये। तो ये दिया रहे हैं कि वे पिता की आज्ञा से वन में गये हैं। जब हनुमान जी नहीं समझती कि दशरथ जी इनको करनी भेजे हैं। ये करते हैं कि पिता ने हमको भेजा है वे वरदान दिये थे उसी वरदान के तहत भेजा है। एक और मर्यादा की भी रक्षा करना चाहते हैं। हृदय मानाम् भोर हाई। राम ही जाइ कहै किंतु कोई। राम न जाए ऐसा दशरथ सोच रहे थे। वे हैं। (ब्रह्म विद्यालय सह आश्रम)

कार्टून वर्ल्ड

महंगाई की मार...



लेटर ट्रू एडिटर

चुनावी वादे

चुनाव के नजदीक आते ही हर दल द्वारा लोकलभावन धोणाण्यों का अवार लग जाता है। मगर सीधे-सा गणित है कि मुफ्त के वादों को पूरा करने के लिए अतिरिक्त पैसा चाहिए। जिसकी वजह से राज्य कर्ज में फंसती जा रही है। ऐसे में रेवड़ी कल्चर पर चुनाव आयेगा या शीर्ष अदालत वालों से चुनाव चाहिए। ऐसे चुनावी वादों से चुनाव हुए पर्लांग तब्दील हो जाएगा।

राजनीतिक दाव

दिल्ली में प्रदूषण, अतिक्रमण, ट्रैफिक जाम, कूड़ा प्रबल्लय की अव्यवस्था, प्रदूषित युग्म एवं महिलाओं पर बढ़ते अपराध के मुद्दे दब कर रहे जाना दिल्ली वालों के लिए गंभीर चिंता का विषय होने चाहिए। जिसकी वजह से राज्य कर्ज में फंसती जा रही है। ऐसे में रेवड़ी कल्चर पर चुनाव आयेगा या शीर्ष अदालत वालों से चुनाव हुए पर्लांग तब्दील हो जाएगा।

-पूनम, जमशेदपुर

-विंसेंट कुमार, रांची

आत्म-विश्वास

fसफलता का मार्ग प्रस्तुत करता है। कर्तव्यों को साथ निभायें और प्रत्येक कार्य उत्साह तथा कुशलतापूर्वक करने का अभ्यास बनायें, स्परण रहे कि ईश्वर की कृपा और समर्थ्य आपके संकल्प सिद्धि की लिए हर पल सहयोगी है।

- स्वामी अवधेशानंद गिरि

सलाह की अंतर्गत तुगलक और गूजरी महल में काला परायन किया गया है, जबकि ताजमहल शेशकीमती सफेर संगमरमर से बनाया गया है। इन दोनों ऐतिहासिक इमारतों में एक और बड़ी असमानता यह है कि ताजमहल शाहजहां ने मुमताज की याद में बनवाया था। ताज एक मकबरा है, जबकि गूजरी महल 1354 में फिरोजशाह तुगलक ने अपनी प्रेमिका गुजरी के गम प्रेम में बनवाया था। गूजरी महल भले ही आगरा के ताजमहल जैसी भव्य इमारत न हो, लेकिन दोनों की पृथक्षूपि प्रेम पर आधारित है। ताजमहल मुगल बादशाह शाहजहां ने 1631 में बनवाया शुरू किया था, जो 22 साल बाद बनकर तैयार हो सका।

दिल्ली के कोटला फिरोजशाह में गार्ड एक भू-भूलैया के पास गूजरी रानी के ठिकाने का भी जिक्र करते हैं। तभी हिसार के गूजरी महल में अद्भुत भू-भूलैया आज भी देखी जा सकती है। काबिल-गौड़ है कि हिसार की फिरोजशाह तुगलक के वक्त से हिसार कहा जाने लगा, वर्तमान यहाँ तक कि ला बनवाया था। हिसार ए-फिरोजा नामक कि ला बनवाया था। हिसार एक भू-भूलैया का शब्द है, जिसका अर्थ है 'किंतु'।

मुसाफिरों की यह शरणस्थली थी। इस डेरे पर एक गूजरी दूध देने आती थी। डेरे के बाहर एक गूजरी दूध से ही आवादि के लोग यानी लेते थे। डेरा इस आवादी के लोगों द्वारा बनाया था।

एक दिन शाहजादा फिरोज शिकार खेलते-खेलते अपने घोड़े के साथ वहां आ पहुंचा। उसने गूजर कन्या को डेरे से बाहर निकलते होने देखा तो उस पर मोहित हो गया। गूजर कन्या भी शहजादा की फिरोज के बाहर निकलते देखा तो उस पर मोहित हो गया।

सुनने की फुर्सत हो तो आवाज है पत्थरों में।

जड़ी हुई बस्तियों में आवादियां बोलती हैं...

(लेखिका शायरा, कहानीकार व पत्रकार हैं)

सलाह की अंतर्गत तुगलक और गूजरी महल के अंतर्गत त्रिकोणी और गूजरी रानी की अंतर्गत त्रिकोणी के लोगों द्वारा अपने घर लौट आईं। दिल्ली के कोटला फिरोजशाह में गार्ड एक भू-भूलैया के पास गूजरी रानी के ठिकाना का भी जिक्र करते हैं। तभी हिसार के लोगों द्वारा बनाया था। बादशाह ने खुद भी कर्नाल में युनान नवी से द्वारा नहर सतलुज नदी से हिमालय की उपत्यका से किले ले तो तक नहरी मार्ग की घोड़े पर चढ़कर निशानदेही की थी। दूसरी नहर सतलुज नदी से हिमालय की उपत्यका से किले ले तो लाली गांव के लोगों द्वारा बनाया था। तब जाकर कर्नाल में अद्भुत भू-भूलैया आज की बात हो गई थी, जिसका अर्थ है 'किंतु'।

इस पर अदालत ने इन राज्यों की पुलिस से दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के कहा था। अदालत का जापानी की आवाज है पत्थरों में।

जापानी की आवाज है।

जापानी

